NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th

aglasem.com

Class : 7th

Subject : हिन्दी

Chapter : 3

Chapter Name : हिमालय की बेटियाँ

Q1नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफ़ी पुरानी है | लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं ?

Answer. नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे देश में सदियों से चली आ रही है लेकिन लेखक नागार्जुन ने इन नदियों के साथ ममता का एक और धागा जोड़ा है | उन्होंने इन नदियों को माँ के साथ-साथ इन्हें बेटी, बहन और प्रेयसी के रूप में भी देखा है |

Page : 15, Block name: लेख से

Q2 सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गयी हैं ?

Answer. लेखक ने बताया है की सिंधु और ब्रह्मपुत्र दो ऐसी नदी हैं जिनका नाम सुनते ही हिमालय से निकली हर छोटी- बड़ी नदियों की तस्वीर आँखों के सामने आ जाती है | यह दोनों नदियां हिमालय से पिघली एक-एक बूँद से मिलकर महानदी बनी हैं | वह समुद्र बहुत सौभाग्यशाली है जिसमें ये दोनों नदियाँ मिलती है |

Page: 15, Block name: लेख से

Q3काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है ?

Answer. काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता इसीलिए कहा है कि ये नदियां ही हमें जीवन दान देती हैं | इन नदियों से ही हमें जल प्राप्त होता है और इनका जल शुद्ध और पवित्र होता है | ये नदियां जहाँ-जहाँ से गुजरती हैं वहीँ पर जीवन प्रदान करती जाती हैं | इन्ही नदियों के पानी से हम नए-नए उपकरण बनाने में सफल हुए हैं | इन्ही नदियों के पानी से बिजली बनती है और इन्ही नदियों के पानी से खेती होती है

aglasem.com

| नदी भी माँ की तरह कल्याणकारी और पूजनीय है, नदी भी माँ की तरह मनुष्य का लालन-पालन करती है। अगर ये नदियां नहीं होती तो आज हमारा जीवन इतना आसान नहीं होता |

Page : 15, Block name: लेख से

Q4 हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन-किन की प्रशंसा की है ?

Answer. हिमालय की यात्रा में लेखक ने बर्फ से ढकी पहाड़ियों की, छोटे-छोटे पौधों से भरी घाटियों की, पहाड़ों के बीच की हरी-भरी उन्नत भूमि की प्रशंसा की है | इनके आलावा लेखक ने चीड़, देवदार,चिनार जैसे जंगलो के बारे में भी बताया है |

Page: 15, Block name: लेख से

Q1 नदियों और हिमालय पर अनेक कवियों ने कविताएँ लिखी हैं | उन कविताओं का चयन कर उनकी तुलना पाठ में निहित नदियों के वर्णन से कीजिए |

Answer. छात्र पुस्तकालय में पढ़कर स्वयं करें |

Page: 15, Block Name- लेख से आगे

Q2 गोपाल सिंह नेपाली की कविता 'हिमालय और हम' , रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता 'हिमालय' तथा जयशंकर प्रसाद की कविता 'हिमालय के आँगन में' पढ़िए और तुलना कीजिए |

Answer. छात्र पुस्तकालय में पढ़कर स्वयं करें |

Page: 15, Block Name- लेख से आगे

Q3 यह लेख 1947 में लिखा गया था | तब से हिमालय से निकलने वाली नदियों में क्या-क्या बदलाव आये हैं ?

Answer. यह लेख 1947 में लिखा गया था तब से इन नदियों में बहुत बदलाव आये हैं | ये नदियां आज भी हिमालय से ही निकलती हैं लेकिन आज यह पहले की तरह शुद्ध नहीं रही हैं | इन सभी नदियों को प्रदुषण ने अपनी चपेट में ले लिया है और धीरे-धीरे इन नदियों का पानी भी कम होता जा रहा है | इन नदियों पर

aglasem.com

जगह-जगह बांध बनाये जा रहे हैं और इनके पानी को रोका जा रहा है | आज के समय में यह नदियां इतनी प्रदूषित हो गयी हैं कि इनका पानी अब पीने लायक नहीं रह गया है |

Page: 15, Block Name- लेख से आगे

Q.4.अपने संस्कृत शिक्षक से पूछिए की कालिदास ने हिमालय को देवात्मा क्यों कहा है ?

Answer. लेखक ने हिमालय को देवात्मा इसीलिए कहा है क्योंकि इन पर्वतों पर बहुत से ऋषि-मुनियों ने तपस्या की है और भगवान् से वरदान भी प्राप्त किए हैं | इन्ही हिमालय पर्वतों के बीच में बसे कैलाश पर्वत पर भगवान शिव का निवास भी था |

Page: 15, Block Name- लेख से आगे

Q1 लेखक ने हिमालय से निकलने वाली नदियों को ममता भरी आँखों से देखते हुए उन्हें हिमालय की बेटियाँ कहा है | आप उन्हें क्या कहना चाहेंगे? नदियों की सुरक्षा के लिए कौन-कौन से कार्य हो रहे हैं? जानकारी प्राप्त करें और अपना सुझाव दें |

Answer. लेखक ने हिमालय से निकलने वाली नदियों को ममता भरी आँखों से देखते हुए उन्हें हिमालय की बेटियाँ कहा है |लेकिन नदी माँ की भाँति मनुष्य का लालन-पालन करती है। नदियों की सुरक्षा के लिए नदियों में कूड़ा-कचरा डालने पर रोक लगनी चाहिए | कारखानों से निकलने वाले दूषित जल को नदियों में मिलने से रोकना होगा |

Page: 15, Block Name- अनुमान और कल्पना

Q2 नदियों से होने वाले लाभों के विषय में चर्चा कीजिए और इस विषय पर बीस पंक्तियों का एक निबंध लिखिए |

Answer. नदियाँ मनुष्य के जीवन को सुखमय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नदियों के कारण मनुष्य को उपजाऊ भूमि प्राप्त होती है| मनुष्य के दैनिक जीवन में पानी का महत्वपूर्ण स्थान है। उसे पीने से लेकर, नहाने तक में पानी की आवश्यकता होती है। पानी के कारण ही वह जीवित है। यह मनुष्य के लिए ही नहीं बल्कि जीव-जन्तु, पेड़-पौधों के लिए भी आवश्यक तत्व है। इसकी आपूर्ति नदियों से ही होती है। पत्थरों, बजरी, जड़ी-बूटियों और पौधों को छूकर बहते पानी के कारण नदी के भौतिक, रासायनिक और जैविक गुण बढ़ जाते हैं। उदाहरण के लिए, गंगा नदी के निश्चित औषधीय गुण पहाड़ों की हिमालय श्रृंखला में पाई जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियों की उपस्थिति से बढ़ते हैं। इस तरह के पानी में लाभकारी रेडियो

धर्मिता सूक्ष्म स्तर पर पाई जाती है।बांधों की संख्या बढ़ाने की बजाय नदी के पानी को प्राकृतिक रूप से फैलने और धरती को भरने देना चाहिए। कृषि के लिए उपजाऊ गाद लाकर और भू-जल पुनर्भरण करके बाढ़ बहुमूल्य कार्य करती है। लोगों को बाढ़ संबंधित कठिनाइयों और लाभ के साथ जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। माता जिस तरह से बच्चे का लालन-पालन करती है, नदी भी वैसे ही मनुष्य का लालन-पालन करती है।आज नदियों में जल कम हो रहा है, जिसके कारण लोगों को जल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इसके कारण सभी स्थानों पर हाहाकार मचा हुआ है। अतः हमें चाहिए कि नदियों के महत्व को समझते हुए इन्हें बचाएँ। वरना एक समय ऐसा आएगा कि मनुष्य स्वयं ही मृत्यु की कगार पर आ खड़ा होगा।

Page: 15, Block Name- अनुमान और कल्पना

Q1 अपनी बात कहते हुए लेखक ने अनेक समानताएँ प्रस्तुत की हैं | ऐसी तुलना से अर्थ अधिक स्पष्ट एवं सुंदर बन जाता है | उदाहरण -

(क) संभ्रांत महिला की भाँति वे प्रतीत होती थीं।

(ख) माँ और दादी , मौसी और मामी की गोद की तरह उनकी धारा में डुबकियाँ लगाया करता |

- अन्य पाठों से ऐसे पाँच तुलनात्मक प्रयोग निकालकर कक्षा में सुनाइए और उन सुंदर प्रयोगों को कॉपी में भी लिखिए |

Answer.

- मेरी आँखों के सामने शीत किरणों के समान स्वच्छ, शीतल सी धुँधली छाया नाच उठती |
- बच्चे ऐसे सुंदर थे, जैसे सोने के सजीव खिलौने |
- संदूक खोलकर एक चमकती-सी चीज़ निकाली |
- सागर के हिलोरों की भाँति उसका स्वर गलीभर के मकानों तक पहुँचता |
- लाल किरण-सी चोंच खोल |

Page: 15, Block Name- भाषा की बात

Q2 निर्जीव वस्तुओं को मानव-संबंधी नाम देने से निर्जीव वस्तुएँ भी मानो जीवित हो उठती हैं। लेखक ने इस पाठ में कई स्थानों पर ऐसे प्रयोग किए हैं, जैसे-

(क) परंतु इस बार जब मैं हिमालय के कंधे पर चढ़ा तो वे कुछ और रूप में सामने थीं।

(ख) काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता कहा है।

• पाठ से इसी तरह के और उदाहरण ढूँढ़िए।

Answer.

- संभ्रांत महिला की भाँति वे प्रतीत होती थीं।
- जितना की इन बेटियों की बाल लीला देखकर।
- बूढ़े हिमालय की गोद में बच्चियाँ बनकर ये कैसे खेल करती हैं।
- हिमालय को ससुर और समुद्र को दामाद कहने में कुछ भी झिझक नहीं होती है |

Page: 16, Block Name- भाषा की बात

Q3 पिछली कक्षा में आप विशेषण और उसके भेदों से परिचय प्राप्त कर चुके हैं।

नीचे दिए गए विशेषण और विशेष्य (संज्ञा) का मिलान कीजिए-

विशेषण	विशेष्य
संभ्रांत	वर्षा
चंचल	जंगल
समतल	महिला
घना	नदियाँ
मूसलधार	आँगन

Answer.

विशेषण	विशेष्य
संभ्रांत	महिला
चंचल	नदियाँ
समतल	आँगन
घना	जंगल
मूसलधार	वर्षा

Page: 16, Block Name- भाषा की बात

aglasem.com

Q4 द्वंद्व समास के दोनों पद प्रधान होते हैं। इस समास में 'और' शब्द का लोप हो जाता है, जैसे- राजा-रानी द्वंद्व समास है जिसका अर्थ है राजा और रानी। पाठ में कई स्थानों पर द्वंद्व समासों का प्रयोग किया गया है। इन्हें खोजकर वर्णमाला क्रम (शब्दकोश-शैली) में लिखिए।

Answer.

छोटी - बड़ी

माँ - बाप

सास - ससुर

Page: 16, Block Name- भाषा की बात

Q5 नदी को उलटा लिखने से दीन होता है जिसका अर्थ होता है गरीब। आप भी पाँच ऐसे शब्द लिखिए जिसे उलटा लिखने पर सार्थक शब्द बन जाए। प्रत्येक शब्द के आगे संज्ञा का नाम भी लिखिए, जैसे-नदी-दीन (भाववाचक संज्ञा)।

Answer -

तप – पत (भाववाचक)

राज – जरा(भाववाचक)

नव – वन (जातिवाचक)

गल – लग (भाववाचक)

राम – मरा (भाववाचक)

Page: 16, Block Name- भाषा की बात

Q6 समय के साथ भाषा बदलती है, शब्द बदलते हैं और उनके रूप बदलते हैं, जैसे बेतवा नदी के नाम का दूसरा रूप 'बेत्रवती' है | नीचे दिए गए शब्दों में से ढूँढ़कर इन नामों के अन्य रूप लिखिए -

सतलुज, रोपड़, झेलम, चिनाब, अजमेर, बनारस

विपाशा, वितस्ता, रूपपुर, शतद्रुम, अजयमेरु, वाराणसी

Answer -

सतलुज - शतद्रुम

रोपड़ - रूपपुर

झेलम - वितस्ता

चिनाब - विपाशा

aglasem.com

अजमेर - अजयमेरु

बनारस - वाराणसी

Page: 17, Block Name- भाषा की बात

Q7 'उनके ख्याल में शायद ही यह बात आ सके कि बूढ़े हिमालय की गोद में बच्चियाँ बनकर ये कैसे खेला करती हैं|'

- उपर्युक्त पंक्ति में 'ही' के प्रयोग की ओर ध्यान दीजिए | 'ही' वाला वाक्य नकारात्मक अर्थ दे रहा है | इसीलिए 'ही' वाले वाक्य में कही गयी बात को हम ऐसे भी कह सकते हैं - उनके ख्याल में शायद यह बात न आ सके |
- इसी प्रकार नकारात्मक प्रश्नवाचक वाक्य कई बार 'नहीं' के अर्थ में इस्तेमाल नहीं होते हैं, जैसे- महात्मा गांधी को कौन नहीं जानता? दोनों प्रकार के वाक्यों के समान तीन-तीन उदाहरण सोचिए और इस दृष्टि से उनका विश्लेषण कीजिए |

Answer.

- तुम शायद ही घर आओ | - तुम शायद घर न आओ |
- उसने शायद ही तुम्हें आते देखा हो | - उसने शायद तुम्हें आते न देखा हो |
- आज शायद ही बारिश हो | - आज शायद बारिश न हो |

Page: 17, Block Name- भाषा की बात

aglasem.com